1ο φύλλο εργασιών Αρχαίων Ελληνικών Α΄ Λυκείου

«Ἔρρωσθε καὶ εὐδαιμονεῖτε». Ὁ τὸ σχῆμα τῆς κορῶνος ἔχων ἰός καταπολεμεῖται διὰ τῶν ἀσκήσεων Ἀρχαίων Ἑλληνικῶν. Ἄλλωστε ὁ Θουκυδίδης διῆλθε ἐπιτυχῶς τοῦ λοιμοῦ τῶν Ἀθηνῶν. Ξέρει αυτός!

Ἡ πρώτη ἐμβολιαστικὴ δόσις ἀκολουθεῖ.

Για να σοβαρευτούμε: Στρωθείτε, κάντε τις επόμενες ασκήσεις και στείλτε τις μέχρι την Τρίτη 24 Μαρτίου 2020 και ώρα 23:59:59 στα εξής e-mail:

Μαθητές κας Καρασούλα [katerinanontas@gmail.com](mailto:katerinanontas@gmail.com)

Μαθητές κας Τσαλαγανίδη [atsalag@yahoo.gr](mailto:atsalag@yahoo.gr)

1. Να μεταφέρετε τα ονόματα που ακολουθούν στην ίδια πτώση του άλλου αριθμού:

|  |  |
| --- | --- |
| θεοῖς |  |
| ταπεινοὶ |  |
| θυσιῶν |  |
| ἀνθρώπους |  |
| καλῷ |  |
| τοῦ ἀνδρὸς |  |
| τὴν ἡμέραν |  |
| τὴν πόλιν |  |

1. Να συμπληρώσετε τα κενά.

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Ενικός Αριθμός | | | |
| ον. | οὗτος |  |  |
| γεν. |  | ταύτης |  |
| δοτ. |  |  |  |
| αιτ. | τοῦτον | ταύτην | τοῦτο |
| κλ. | (ὦ) οὗτος |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Πληθυντικός Αριθμός | | | |
| ον. | οὗτοι |  | ταῦτα |
| γεν. |  | τούτων |  |
| δοτ. | Τούτοις |  |  |
| αιτ. |  | ταύτας |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Ενικός Αριθμός | | | |
| ον. | ὃς |  | ὃ |
| γεν. | οὗ |  |  |
| δοτ. |  | ᾗ | ᾧ |
| αιτ. |  |  |  |

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| Πληθυντικός Αριθμός | | | |
| ον. | οἳ |  | ἃ |
| γεν. |  | ὧν |  |
| δοτ. |  |  |  |
| αιτ. | οὓς |  |  |

1. Να αντιγράψετε από τις τελευταίες σελίδες της γραμματικής τους Αρχικούς Χρόνους των εξής ρημάτων: ἔχω, λέγω, λαμβάνω, ὁρῶ, πείθω και γίγνομαι.

Ἀναμένοντας την χρήση της ηλεκτρονικής πλατφόρμας, να κάνετε υπομονή και φυσικά τις ασκήσεις σας. Μείνετε σε φόρμα!

Κα Καρασούλα

Κα Τσαλαγανίδη